



वैदिक ज्योतिष में, नौ ग्रह हमारी मानसिकता, ऊर्जा और जीवन की दिशा को गहराई से प्रभावित करते हैं। जब आपकी जन्म कुंडली में कुछ ग्रह प्रतिकूल या कमजोर होते हैं, तो एक विशिष्ट रुद्राक्ष धारण करना - जिसे उसकी प्राकृतिक रेखाओं या मुखों (मुखी) द्वारा वर्गीकृत किया जाता है - सद्भाव, शक्ति और स्पष्टता लाने के लिए एक संतुलनकारी उपाय के रूप में कार्य करता है।

सूर्य (Surya) — 1 मुखी या 12 मुखी

सूर्य हमारी मूल पहचान, पिता तुल्य व्यक्तियों, अधिकार और जीवन शक्ति की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। जब सूर्य कमजोर होता है, तो यह कम आत्मसम्मान, उद्देश्य की कमी या शारीरिक सहनशक्ति की कमजोरी के रूप में प्रकट हो सकता है। 1 मुखी या 12 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से मदद मिलती है:

- स्वाभाविक नेतृत्व गुणों और प्रभावशाली उपस्थिति को जाग्रत करने में।
- आत्मविश्वास, इच्छाशक्ति और प्रशासनिक निर्णय लेने के कौशल का पुनर्निर्माण करने में।
- सार्वजनिक मान्यता, प्रसिद्धि और व्यावसायिक सम्मान आकर्षित करने में।
- शारीरिक जीवन शक्ति, व्यक्तिगत आकर्षण और उत्तम स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त करने में।

चंद्र (Chandra) — 2 मुखी

चंद्रमा मन, अवचेतन भावनाओं, अंतर्ज्ञान और माता के साथ हमारे संबंधों का कारक है। पीड़ित चंद्रमा के कारण अक्सर मूड स्विंग्स, चिंता, अशांत नींद और भावनात्मक उथल-पुथल होती है। 2 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से मदद मिलती है:

- आंतरिक शांति और गहरी भावनात्मक स्थिरता को पुनः स्थापित करने में।
- व्यक्तिगत अंतर्ज्ञान और आंतरिक मार्गदर्शन पर विश्वास को तीव्र करने में।
- सामंजस्यपूर्ण संबंधों, पारस्परिक सम्मान और पारिवारिक संतुलन को बढ़ावा देने में।
- अस्त-व्यस्त माहौल में भी शांत, स्थिर मानसिक स्पष्टता विकसित करने में।

मंगल (Mangal) — 3 मुखी

मंगल एक ब्रह्मांडीय योद्धा ग्रह है जो साहस, प्रेरणा, शारीरिक ऊर्जा और मुखरता को नियंत्रित करता है। जब मंगल अशुभ या असंतुलित होता है, तो यह क्रोध, उतावलापन, आलस्य या खुद को नुकसान पहुँचाने वाले डर को जन्म दे सकता है। 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्न में सहायता मिलती है:

- आलस्य की भावना को दूर करने और सक्रिय शारीरिक ऊर्जा का संचार करने में।
- कठिन परिस्थितियों का सामना करने और साहसिक कदम उठाने के लिए निडर साहस का निर्माण करने में।
- मन में गहरे समाए डर, आत्म-संदेह और पिछले कर्मों के बोझ को समाप्त करने में।
- अतीत के पुराने अपराधबोध और मन पर टिके भावनात्मक बोझ से मुक्ति पाने में।

बुध (Budha) — 4 मुखी

बुध बुद्धि, विश्लेषणात्मक तर्क, हास्य और संचार के सभी माध्यमों पर शासन करता है। एक कमजोर बुध अक्सर गलत संचार, मानसिक भ्रम (ब्रेन फॉग), बोलने में रुकावट या याददाश्त में कमी के रूप में प्रकट होता है। 4 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्नलिखित लाभ होते हैं:

- सार्वजनिक भाषण (पब्लिक स्पीकिंग), व्यावसायिक लेखन और दैनिक बातचीत को बेहतर बनाना।
- तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक समझ और समस्या-समाधान कौशल को तेज करना।
- रचनात्मक विचारों, कलात्मक सोच और मौलिक अभिव्यक्ति को उजागर करना।
- स्मरण शक्ति को मजबूत करना, जिससे यह छात्रों और पेशेवरों के लिए असाधारण रूप से लाभकारी बनता है।

बृहस्पति (गुरु) — 5 मुखी

बृहस्पति परम शुभ ग्रह हैं - ज्ञान, उच्च शिक्षा, नैतिकता, धन और सौभाग्य के कारक ग्रह। एक मजबूत बृहस्पति जीवन को व्यापक अवसरों और आध्यात्मिक गहराई का आशीर्वाद देता है। 5 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्नलिखित लाभ मिलते हैं:

- बौद्धिक क्षितिज, जीवन के विवेक और नैतिक सूझबूझ का विस्तार होता है।
- वित्तीय समृद्धि, प्रचुरता और उदार मार्गदर्शकों का साथ आकर्षित होता है।
- निरंतर शैक्षणिक सफलता, शिक्षण क्षमताओं और शोध कार्यों में सहायता मिलती है।
- दीर्घकालिक शारीरिक स्वास्थ्य और गहन आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

शुक्र (Shukra) — 6 मुखी या 13 मुखी

शुक्र प्रेम, इंद्रिय सुख, व्यक्तिगत आकर्षण, रोमांस और कलात्मक प्रतिभा का स्वामी है। यदि शुक्र कमजोर हो, तो व्यक्ति को रोमांटिक संतुष्टि, वित्तीय समृद्धि या सौंदर्य की समझ की कमी से जूझना पड़ सकता है। 6 मुखी या 13 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्नलिखित में मदद मिलती है:

- भावनात्मक निकटता, वैवाहिक सामंजस्य और रोमांटिक अनुकूलता को गहरा करना।
- व्यक्तिगत आकर्षण, सामाजिक सम्मोहन और करिश्मे को बढ़ाना।
- कलात्मक संवेदनशीलता, डिजाइन प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता को जागृत करना।
- भौतिक सुख-सुविधा, सौंदर्यबोध और विलासितापूर्ण जीवन शैली को आकर्षित करना।

शनि (Shani) — 7 मुखी

शनि ब्रह्मांडीय कर्मफलदाता हैं जो कर्म, अनुशासन, धैर्य और करियर की संरचना को नियंत्रित करते हैं। शनि साढ़े साती या प्रमुख शनि महादशा जैसे गहन गोचर के दौरान, शनि चुनौतियों के माध्यम से दृढ़ता की मांग करते हैं। 7 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्न में मदद मिलती है:

- दीर्घकालिक व्यावसायिक दृढ़ता, अनुशासन और निरंतर करियर विकास का निर्माण करना।
- वित्तीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना और अचानक होने वाले नुकसान से रक्षा करना।
- कठिन ज्योतिषीय चरणों के दौरान सुखद राहत और धैर्य प्रदान करना।
- नकारात्मक प्रभावों, भारी वातावरण और ऊर्जा को क्षीण करने वाले तत्वों से रक्षा करना।

राहु (उत्तरी नोड) — 8 मुखी

राहु महत्वाकांक्षा, सांसारिक इच्छाओं, अचानक बदलावों और भ्रम का छाया ग्रह है। अनियंत्रित होने पर राहु व्यामोह (पैरानोइया), भ्रम और अचानक रुकावटें पैदा कर सकता है। 8 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से इन मामलों में मदद मिलती है:

- प्रगति की राह में आने वाली जिद्दी, अप्रत्याशित बाधाओं को दूर करने में।
- अचानक सफलता, लीक से हटकर अवसर और तीव्र उन्नति के मार्ग खोलने में।
- मानसिक धुंधलेपन, भ्रामक भ्रम और गलत दिशा में भटकी सनक को दूर करने में।
- बुरी नज़र, ईर्ष्या और नकारात्मक बाहरी प्रभावों से सुरक्षा कवच बनाने में।

केतु (साउथ नोड) — 9 मुखी

केतु मोक्ष, रहस्यवाद, वैराग्य और पूर्व जन्म के कर्मों का ग्रह है। एक चुनौतीपूर्ण केतु अलगाव की भावना, दिशाहीन भटकाव या अत्यधिक मानसिक संवेदनशीलता पैदा कर सकता है। 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से निम्नलिखित लाभ होते हैं:

- ध्यान साधना को गहरा करना, रहस्यमय अंतर्दृष्टि और आध्यात्मिक जागृति प्राप्त करना।
- भौतिक चिंताओं और विषैले (हानिकारक) बंधनों से स्वस्थ वैराग्य विकसित करना।
- शांत और अडिग आंतरिक लचीलेपन के साथ मन को सुदृढ़ बनाना।
- सुरक्षात्मक आध्यात्मिक सीमाएं और ऊर्जावान स्थिरता (ग्राउंडिंग) प्रदान करना।

रुद्राक्ष धारण करना कोई अंधविश्वास नहीं है; यह आपके दैनिक भौतिक शरीर को ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं के साथ संरेखित करने की एक प्राचीन साधना है। चाहे आप किसी कठिन ग्रह दशा से उबरना चाहते हों या बस अपनी स्वाभाविक प्रतिभा को निखारना चाहते हों, अपनी ग्रहीय आवश्यकताओं के अनुसार रुद्राक्ष धारण करना आपके संकल्पों और व्यक्तिगत शांति को एक स्थायी आधार प्रदान करता है।

<https://astroarpitanath.com/hindi/rudraksha-for-9-planets/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।